विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -31- 10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समुच्चयबोधक के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

समुच्चयबोधक अव्यय

समुच्चयबोधक अव्यय की परिभाषा

जो शब्द दो शब्दों , वाक्यों और वाक्यांशों को जोड़ते हैं उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं। इन्हें योजक भी कहा जाता है। ये शब्द दो वाक्यों को परस्पर जोड़ते हैं।

जहाँ पर और, तथा, लेकिन, मगर, व, किन्तु, परन्तु, इसलिए, इस कारण, अतः, क्योंकि, ताकि, या, अथवा, चाहे, यदि, कि, मानो, आदि, यानि, तथापि आते हैं, वहाँ पर समुच्चयबोधक अव्यय होता है।

जैसे:

- सूरज निकला और पक्षी बोलने लगे।
- छुट्टी हुई और बच्चे भागने लगे।
- किरन और मधु पढने चली गईं।
- मंजुला पढने में तो तेज है परन्तु शरीर से कमजोर है।

समुच्चयबोधक अव्यय के भेद

1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय
2. व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय

समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय: जिन शब्दों से समान अधिकार के अंशों के जुड़ने का पता चलता है उन्हें समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं।

जहाँ पर किन्तु , और , या , अथवा , तथा , परन्तु , व , लेकिन , इसलिए , अत: , एवं आते है वहाँ पर समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय होता है।

जैसे:

- कविता और गीता एक कक्षा में पढ़ते हैं।
- मैं और मेरी पुत्री एवं मेरे साथी सभी साथ थे।

व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय: जिन अव्यय शब्दों में एक शब्द को मुख्य माना जाता है और एक को गौण। गौण वाक्य मुख्य वाक्य को एक या अधिक उपवाक्यों को जोड़ने का काम करता है। जहाँ पर चूँकि , इसलिए , यद्यपि , तथापि , कि , मानो , क्योंकि , यहाँ , तक कि , जिससे कि , ताकि , यदि , तो , यानि आते हैं वहाँ पर व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय होता है।

जैसे:

- मोहन बीमार है इसलिए वह आज नहीं आएगा।
- यदि तुम अपनी भलाई चाहते हो तो यहाँ से चले जाओ।
- मैंने दिन में ही अपना काम पूरा कर लिया ताकि मैं शाम को जागरण में जा सकूं।

लिखकर याद करें।